

प्रेषक,

विनोद फोनिया,

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

रेशम विकास विभाग,

प्रेमनगर देहरादून।

उद्घान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक 4 जनवरी, 2011

**विषय:-**वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष की शहतुत की खेती एवं रेशम विकास योजना के अन्तर्गत मूल बजट/अनुपूरक अनुदान प्राविधानित एवं अवशेष धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1547/रेशम/तक0अनु0/बजट/2010-11 दिनांक-21 सितम्बर, 2010 एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-542/XXVIII (1)/2010, दिनांक-04 अक्टूबर, 2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में विभागीय अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सैक्टर की योजनाओं के अन्तर्गत संलग्न विवरणानुसार अतिरिक्त धनराशि ₹73,47,000.00 (₹ तिहत्तर लाख सैतालीस हजार मात्र) की धनराशि निम्नांकित शर्तों अनुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा एवं धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में किया जायेगा।

2- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-187/XXVII(1)/2010, दिनांक-30 मार्च, 2010 एवं पत्र संख्या-275/XXVII(1)/2010, दिनांक-25 मई, 2010 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों एवं आदेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

4- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

5- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

6- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि धनराशि अनावश्यक रूप से बैंको में पार्किंग के रूप में न रखी जाय।

7- योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।

8- स्वीकृत की जा रही धनराशि विभागीय आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय जिससे फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न होने पाये।

9- उत्तराखण्ड को-आपरेटिव रेशम फेडरेशन द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि सीधे फेडरेशन के पक्ष में वास्तविक व्यवस्थानुसार उनकी माँग के आधार पर यथाप्रक्रिया अविलम्ब उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास के अन्तर्गत **संलग्न विवरण** में अंकित योजनाओं एवं उनकी सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

11- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शासकीय संख्या-45(P)/xxvii-4/2010, दिनांक 01 जनवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

**संलग्नक-यथोपरि।**

भवदीय,

(विनोद फोनिया)

सचिव।

**संख्या-487(1)/XVI-2/10/7(6)/2010, तददिनांक:**

**प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।**

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
3. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड सहकारी रेशम को-आपरेटिव फेडरेशन देहरादून।
6. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
7. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
8. जिलाधिकारी, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(के0पी0 पाटनी)

अनु सचिव।



शासनादेश संख्या-487/XVI-2/10/7(6)/2010 दिनांक: जनवरी, 201 का संलग्नक  
 रेशम विकास विभाग के आय-व्ययक 2010-11 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत राज्य सैक्टर की योजनाओं में  
 मुल बजट के सापेक्ष अवशेष/प्रथम अनुपूरक अनुदान में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष अवमुक्त की जाने वाली  
 धनराशि का मदवार विवरण।

(धनराशि हजार रु० में)

क. स.	लेखाशीर्षक/योजना का नाम/मद	बजट प्राविधान मूल बजट+ अनुपूरक	स्वीकृत	अवशेष/अनुपूरक धनराशि की स्वीकृति
1	2	5	6	7
	2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनागत 119-बागवानी और सब्जियों की फसलें 07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास			
1	0703-सहकारी समितियों को रेशम विकास हेतु कार्यशील पूंजी			
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	800+ 200= 1000	—	1000
	योग 0703-	1000	—	1000
2	0705-केन्द्र पोषित कैटेगोरिक योजनाएँ (90प्रतिशत के०पो०)			
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	2300	—	1200
	योग 0705-	2300	—	1200
3	0707-चौकी भवनों का निर्माण एवं रिनोवेशन			
	09-विद्युत देय	100	50	—
	25-लघु निर्माण	800+ 300=1100	400	700
	29-अनुरक्षण	3600+200= 3800	1800	2000
	योग :-0707-	5000	2250	2700
4	0708-जैविक रेशम विकास			
	02-मजदूरी	150+ 150 =300	75	—
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	25+ 25= 50	—	50
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	25+ 25= 50	13	37
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	150+ 150= 300	75	75
	योग :0708-	700	163	162
5	0709-वृक्षारोपण विकास योजना			
	02-मजदूरी	200+ 100= 300	100	100
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	50+ 100= 150	—	100
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	200+ 150 =350	100	150
	योग :0709-	800	200	350
6	0710-रेशम वस्त्र विकास			
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	800	—	400
	योग 0710-	800	—	400
7	0711-रेशम प्रशिक्षण योजना			
	08-कार्यालय व्यय	40	20	20
	09-विद्युत देय	25+ 5=30	13	17
	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	10+ 20= 30	5	25
	21-छात्रवृत्तियां एवं छात्र वेतन	10+ 10= 20	5	15
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	35+ 15= 50	17	33
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	45+ 5= 50	22	28
	42-अन्य व्यय	25+ 95= 120	13	47
	44-प्रशिक्षण व्यय	100+ 160= 260	50	50
	योग :0711-	600	145	235
8	0712-उत्तराखण्ड सहकारी रेशम फेडरेशन का सुददीकरण			
	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	200+ 600= 800	100	300
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	660+ 1140=1800	—	600
	24-वृहत् निर्माण	—	—	—
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	300+ 900= 1200	150	150
	42-अन्य व्यय	100+ 1100=1200	50	250
	योग :0712	5000	300	1300
	महायोग :-	16200	3058	7347

(रु० तिहत्तर लाख सैतालीस हजार)

(क०पी० पाटनी)  
 अनु सचिव।